Diamond Comics
D-1560
Rs. 15.00

प्राण

चाचा चौधरी

साबू और फुटबॉल

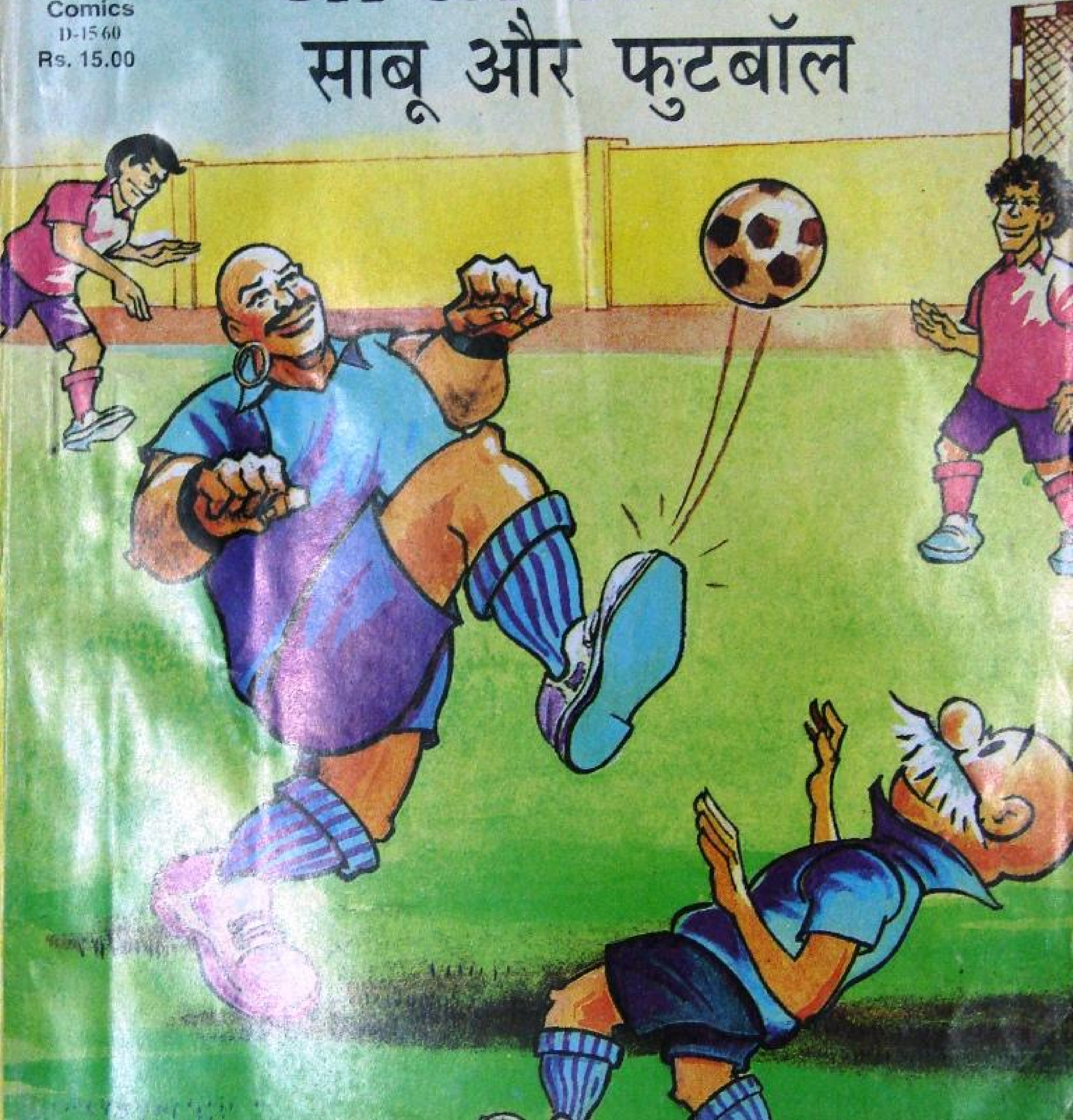

ओफ हो!
पता नहीं मैंने
कहां रख दिया?
बीनी! क्या ढूंढ रही हो?
कुछ दिन पहले मैंने गले का हार
कहीं रखा था. वह नहीं मिल रहा.
कहीं ऐसा तो नहीं, तुमने उसे बैंक के
लॉकर में जमा किया हो?
हां, याद आया. ऐसा ही है.
मैं भूल गई थी.
© PRAN'S FEATURES

याद्दाश्त कमजोर होना बुढ़ापे की निशानी है.
मैं बैंक से तुम्हारा जेवर लेने जाता हूं.
चीफ धमाकासिहं! जिन्दाबाद!
जिन्दाबाद!
तुम्हारी वफादारी से मैं खुश हूं.
चीफ! आप इलैक्शन क्यों नहीं लड़ते?

उसके लिए फंड चाहिएं?
हम बैंक लूट लेते हैं.
ठीक है.
चलो!
उम्मीद है वहां हमें काफी पैसा हासिल होगा.
DRY
BANK
मारो!

कोई अपनी जगह से हिलेगा नहीं!
LOANS
स्ट्रांगरूम की चाबी!
MANAGER
आओ!
वाह हा! अब यह सब हमारे हैं.
सारे भर लो!

तिजोरी साफ कर दी।
धमाकासिहं! तुम्हें अक्ल न आई!
तुमने मुझे बेअक्ल क्यों कहा?
पहले नोटों को परख कर देख लो. फिर खुश होना. आजकल नकली नोटों की कमी नहीं.
तुम ठीक कहते हो.
स्ट्रांगरूम में जाओ! उनसे सारा कैश बटोरा नहीं जा रहा.

आओ!
?!
धमाकासिंह! तुम अंदर बंद हो गए हो! एक बात समझ लो, बैंक के नोट नकली नहीं होते.
इंस्पैक्टर मोजा! वह उधर है!
चलो, बड़े घर!

मुझे उसका नाम बताओ जिसने मेरे भतीजे धमाकासिहं को जेल भिजवाया?
चाचा चौधरी, चीफ बामबाम!
कोई पहचान?
देखा तो नहीं पर सुना है वह **लाल पगड़ी** पहनता है.
साबू! इसे पहनकर देखना कैसे लगते हो?
जी, चाचाजी!
वाह ह! जच रहे हो!

मैं अंदर से शीशा लाता हूं.
लाल पगड़ी! यही है दुश्मन!
धांय!
धांय!!
ओह हा!
यह हथियार बन सकता है.
सरसराह!

धड़ाक!
ओह हा!
आऊ!
मेरा हाथ छोड़ो!
धड़ाक!

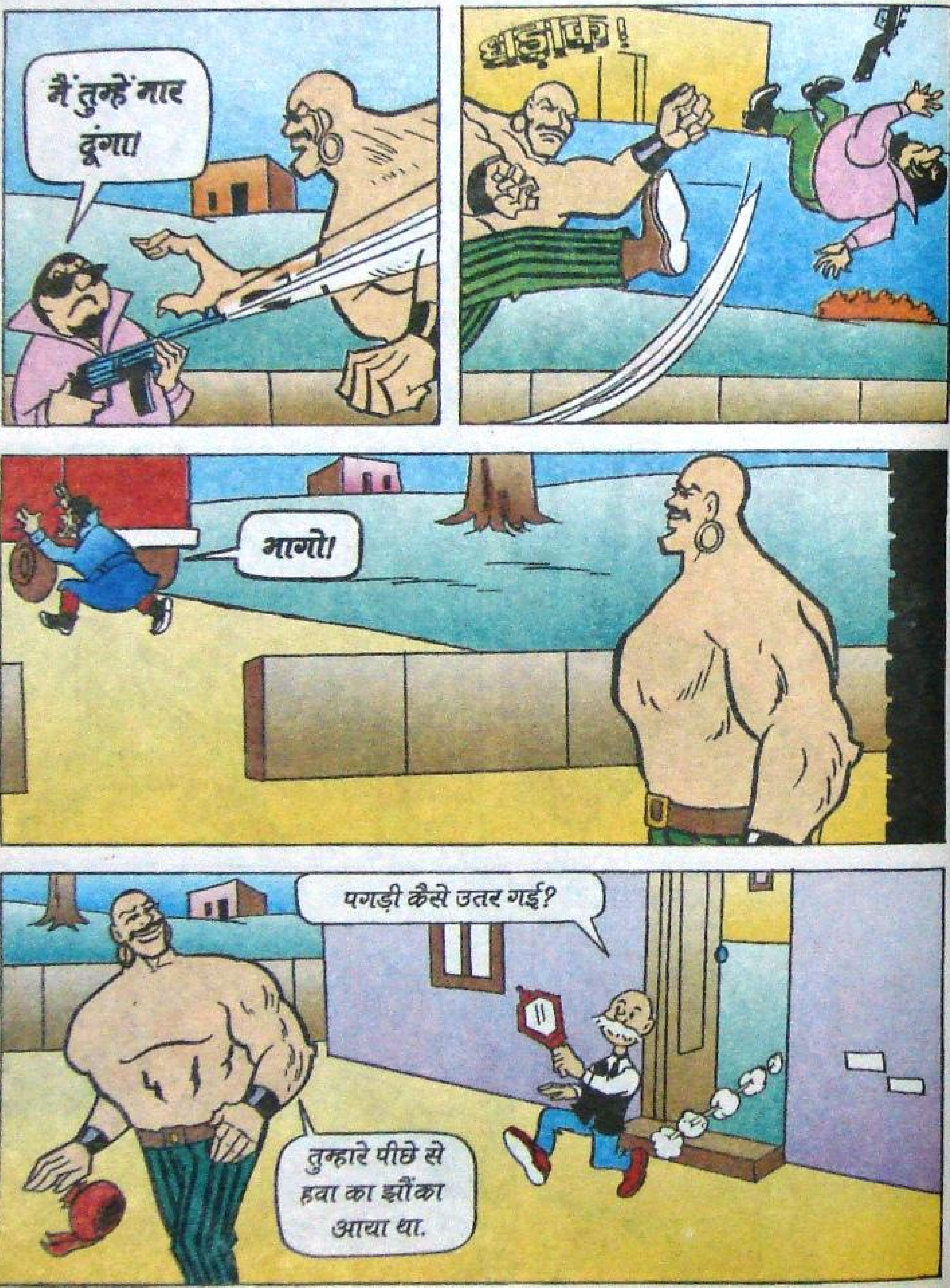
मैं तुम्हें मार दूंगा!
धड़ाक!
भागो!
पगड़ी कैसे उतर गई?
तुम्हारे पीछे से हवा का झौंका आया था.

षड्यंत्र
क्या कमीश्नर साहब अंदर हैं?
हां, चले जाइए.
POLICE STATION
शायद उनका कमरा लगता है.
श्रीमान! मैं आपका कुछ वक्त लूंगा.
शौक से, दत्त जी! आप शहर के सोशल वर्कर हैं.

कैसे आना हुआ?
मैं आपका ध्यान हमारे देश में बढ़ती गतिविधियों की ओर दिलाने आया हूं. उनका एक वी.सी.डी. मेरे हाथ लगा है.
मैं इसे चलाकर देखता हूं.
कमिश्नर प्लेअर का बटन दबाता है.
हम यहां आतंक फैलाने आएं हैं. बम फैंको... महत्वपूर्ण इमारतें जलाओ!! लूटमार करो!!!...

यह बहुत खतरनाक षड्यंत्र है.
सूचना के लिए धन्यवाद। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हम दुश्मनों को धर दबोचेंगे.
चलो।
POLICE STATION
गाड़ी की रफ्तार बढ़ाओ।
STD
एक दूरदराज मकान पर..
उन वी.सी.डीज़ पर नफरत का प्रोपेगेंडा है. छुपकर इन सबको जगह जगह बांटना है.

हमारा मिशन कामयाब होगा।
होगा!
तभी...
सबको अरैस्ट कर लो।
चलो।
कमांडर जाह.
सर! पुलिस ने हमारे साथियों को पकड़ लिया है!
यह किसने किया?
कमिश्नर आनंद ने.
मैं उसे खुद खत्म करूंगा. उसके घर की तरफ ले चलो.

कमिश्नर घर से ऑफिस को निकलता है.
बॉय पापा।
यही मौका है।
चाचा चौधरी का उधर से निकलना होता है.
ओह हा! वह उसपर निशाना साध रहा है!
?
आऊ ऊ ऊ

?
ठिगने आदमी! तुमने अपनी मौत बुलाई है!
अब सज़ा भुगतने के लिए तैयार हो जाओ!
धांय!
ओह ह हा!
थैंक्स, चाचाजी!
इसको ले जाइए और इस द्वारा फैलाए गए जाल को खत्म करिए.
वॉय!

पिच और पैसा
मुंशीमार! होने वाले वन डेयर मैच पर कितना रुपया दांव पर लगा है?
गोंजा साहब! एलैवन इंटरनैशनल पर पंद्रह करोड़ रुपया लग चुका है.
और वैटरन इलैवन पर?
सिर्फ पच्चीस हजार!
अगर क्रिकेट मैच में वैटरन इलैवन जीत जाते हैं तो हम मालामाल हो जाएंगे.

यह नामुमकिन है. वह कमजोर टीम है.
उसको मुमकिन बनाना हमारा काम है. एलैवन इंटरनैशनल के क्रिकेटर्स खरीद लो.
वह दिन गए. अब क्रिकेट प्लेअर टाइट सीक्युरिटी में हैं. उनतक पहुंच पाना मुश्किल है.
तो हमें कोई दूसरा रास्ता खोजना होगा.
एक है- अगर पिच तैयार करने वाले से कहा जाए कि वह उसे ऐसी बनाए जो स्पिन ले तो कमाल हो सकता है. वैटरन इलैवन तीन स्पिन बाउलर्स खिला रहे हैं.
वाह हा!
पिच बनाने वाले को अपनी तरफ किया जा सकता है.

क्या नाम है तुम्हारा?
रघु! साहब!
कितने सालों से पिच बना रहे हो?
पंद्रह साल हो गए, हुजूर!
फिर भी तुम गरीब हो? हम ऐसा कर सकते हैं कि तुम अमीर बन जाओ!
मैं समझा नहीं, साहब!
यह सारे रूपए तुम्हारे हो सकते हैं अगर तुम हमारी मर्जी से पिच तैयार करो तो?
नहीं। मैं करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों को धोखा नहीं दे सकता.

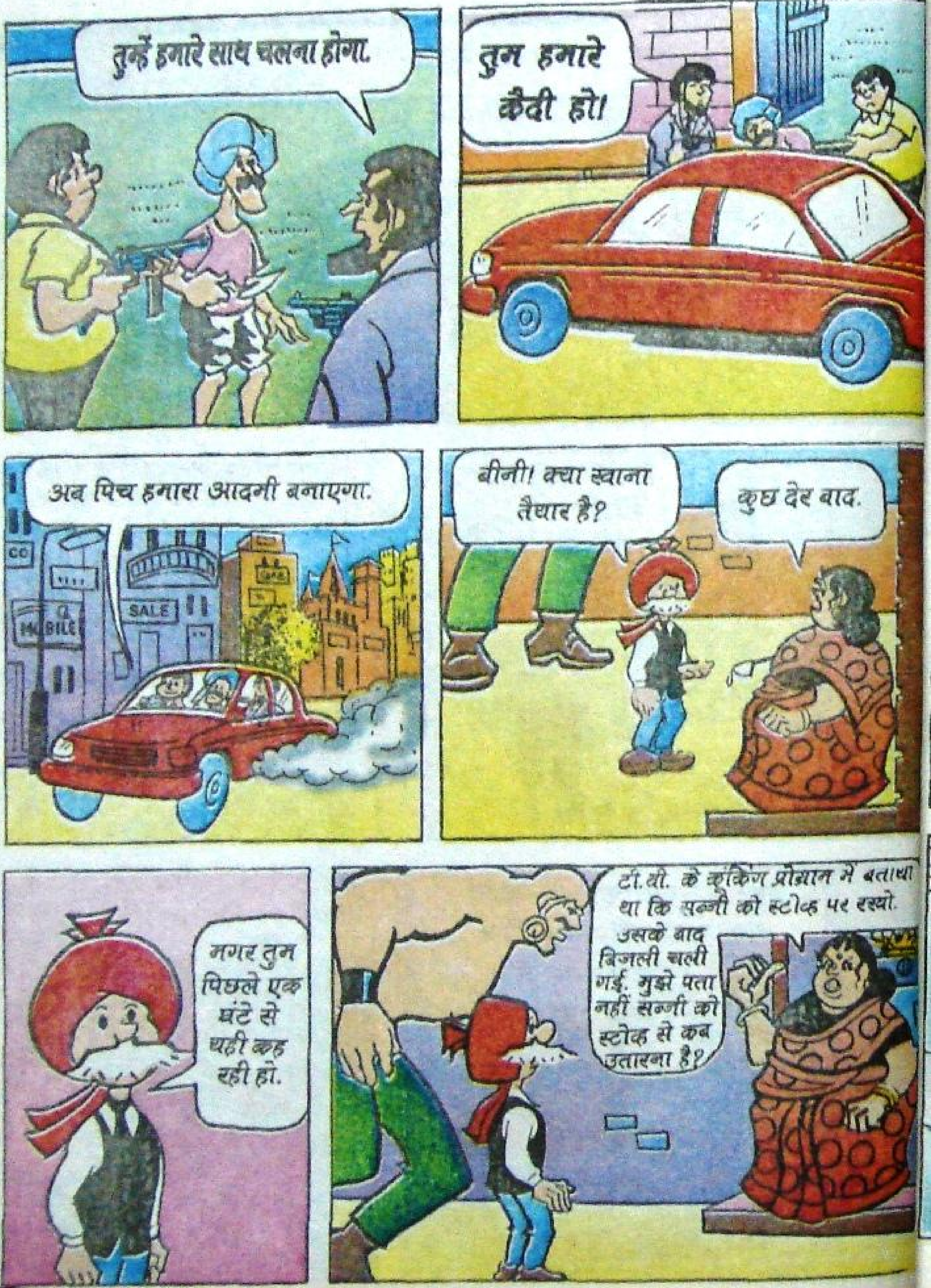
तुम्हें हमारे साथ चलना होगा.
तुम हमारे कैदी हो।
अब पिंच हमारा आदमी बनाएगा.
CO
SALE
MOBILE
बीनी! क्या खाना तैयार है?
कुछ देर बाद.
मगर तुम पिछले एक घंटे से यही कह रही हो.
टी.वी. के कुकिंग प्रोग्राम में बताया था कि सब्जी को स्टोव पर रखो.
उसके बाद बिजली चली गई. मुझे पता नहीं सब्जी को स्टोव से कब उतारना है?

चाचा चौधरी! मेरा पति रघु स्टेडियम में पिच बनाता है. मैं जब उसे खाना देने गई तो वह वहां नहीं था.
तुम्हारा पति लौट आएगा. भरोसा रखो!
साबू! आओ!
हमें मैच से पहले उसे ढूंढना है.
क्रिकेट मैच निष्पक्ष होना चाहिए.

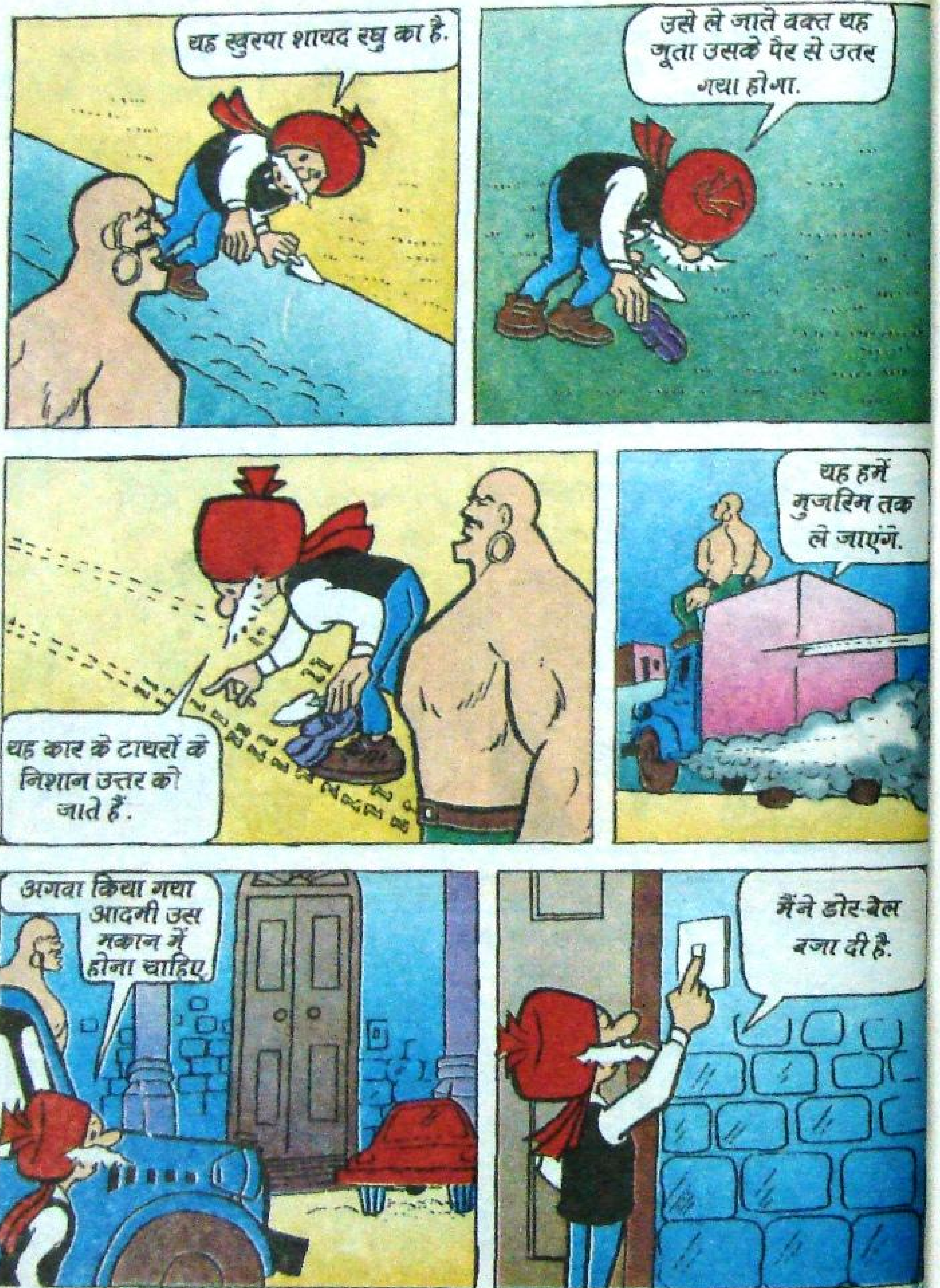
यह खुरपा शायद रघु का है.
उसे ले जाते वक्त यह जूता उसके पैर से उतर गया होगा.
यह कार के टायरों के निशान उत्तर को जाते हैं.
यह हमें मुजरिम तक ले जाएंगे.
अगवा किया गया आदमी उस मकान में होना चाहिए.
मैंने डोर-बेल बजा दी है.

हमें एक क्रिकेट की पिच तैयार करने वाले की तलाश है.
अंदर आ जाओ!
तुम यहीं मरोगे!
धड़ाक!
?
सट! सट!!
धड़ाक!

रहम!
हमें क्रिकेट ग्राउंड पर जल्दी पहुंचना है.
अच्छा खेल होना तुम पर निर्भर है.
बैट्समैन हिट करता है.
चौका!
मैं डूब गया!

जैकपॉट
क्या देख रहे हो?
मैं देख रहा हूं कि दस करोड़ का जैकपॉट किसका निकला है?
तुम अपनी आधी तनख्वाह इस पागलपन पर खर्च कर देते हो.
अगर तुम पैसा बचाते तो आज हम एक मकान के मालिक होते.

मैं अमीर हो गया!
मैंने दस करोड़ का जैकपॉट जीत लिया!
हमारी मुश्किलों के दिन गए! हम आलीशान बंगला खरीदेंगे
और बच्चों को ऊंची शिक्षा देंगे.
मैडम दाना.
"इस बार दस करोड़ का जैकपॉट जीता है श्री फकीरचंद ने....

मैडम! उससे हम टैक्स वसूल कर सकते हैं.
उसको फोन लगाओ!
फकीरचंद! लेडी दाना की मुबारकबाद कबूल करो. तुम्हें जैकपॉट का 9करोड़ हमें देना होगा.
क्यों? मैं अपना परिवार कैसे चलाऊंगा?
तभी तो हम 9करोड़ मांग रहे हैं. 1 करोड़ तुम्हारी सारी जिन्दगी के लिए काफी है.
राकेट! मेरे साथ चलो!
चाचा चौधरी! मैं तुम्हारे कुत्ते को यह खिलाना चाहता हूं.
थैंक्स! मगर राकेट शाकाहारी है.

?
Co.Ltd.
आगे बढ़ें !
SALE
Shoes
TAILORS
B
चाचाजी! मुझे बचाओ!
फकीरचंद! तुम्हें तो खुश होना चाहिए. तुम्हारे नाम से जैकपॉट निकला है.
मगर पैसे के साथ मेरी जान पर बन आई है!
कोई तुम्हारा नाखून भी नहीं तोड़ेगा.
उस चूहे ने पैसा नहीं पहुंचाया.
हम उसे कुचल कर पैसा ले आएंगे.

फकीरचंद ने अबतक घर के सारे दरवाजे बंद कर लिए होंगे.
हम ऊपर से उसतक पहुंचेंगे.
हमने आजतक किसी भी शिकार को नहीं छोड़ा.
अब मरो!
अर र र! मैडम दाना खून खराबे से क्या फायदा?

मगर उसने पैसा नहीं दिया.
वह नासमझ है. जब वह जिन्दा नहीं रहेगा तो पैसा उसके किस काम का?
पैसा अलमारी में है. ले लो!
यह सारा मनी मेरा है!
गर र र!
?!
बाऊ
गर र र!
फकीरचंद! अब तुम मौज करो!

चौधरी! मेरे पास क्रिकेट मैच के दो टिकिट्स हैं. चलोगे?
क्रिकेट देखना मेरा शौक है.
उम्मीद है, मैच मनोरंजक होगा.
फकीरचंद! मैं तुम्हारे मकान को ध्वस्त कर दूंगा.
देखता हूं आज तुझे कौन बचाता है.
गर र!
हट जाओ! वर्ना कुचल दूंगा.
हू.हूबा!

आह! मैं इसको पीछे धकेल सका!
?
लो!
बस, काफी फुदक लिए!
POLICE
आओ! अब कुछ दिन बड़े घर के मेहमान बनो!

कार्टूनिस्ट प्राण का जन्म कसूर नामक कसबे में, जो अब पाकिस्तान में है, हुआ था। एम.ए. (राजनीति शास्त्र) और फाइन आर्ट्स का अध्ययन करने के बाद उनका कार्टूनिंग कैरियर 1960 में दैनिक मिलाप से शुरू हुआ।

उन दिनों सारे भारत में विदेशी कॉमिक्स छपती थीं। प्राण ने भारतीय पात्रों की रचना करके स्थानीय विषयों पर कॉमिक्स बनाना शुरू किया। उनके प्रमुख चरित्र हैं - चाचा चौधरी, साबू, श्रीमतीजी, पिंकी, बिल्लू और रमन।

लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड्स ने उनको 1995 में पीपुल ऑफ द ईयर अवार्ड से पुरस्कृत किया। उनकी चाचा चौधरी स्ट्रिप्स को इंटरनेशनल म्यूजियम ऑफ कार्टून आर्ट, अमरीका में स्थायी रूप से रखा गया है। 1983 में स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने प्राण की राष्ट्रीय एकता पर बनी कॉमिक्स 'रमन-हम एक हैं' का विमोचन किया।

प्राण के चरित्रों की लोकप्रियता का रहस्य है कि वे सीधे सरल हास्य द्वारा पाठकों को भीतर तक गुदगुदा देते हैं।

प्रकाशक

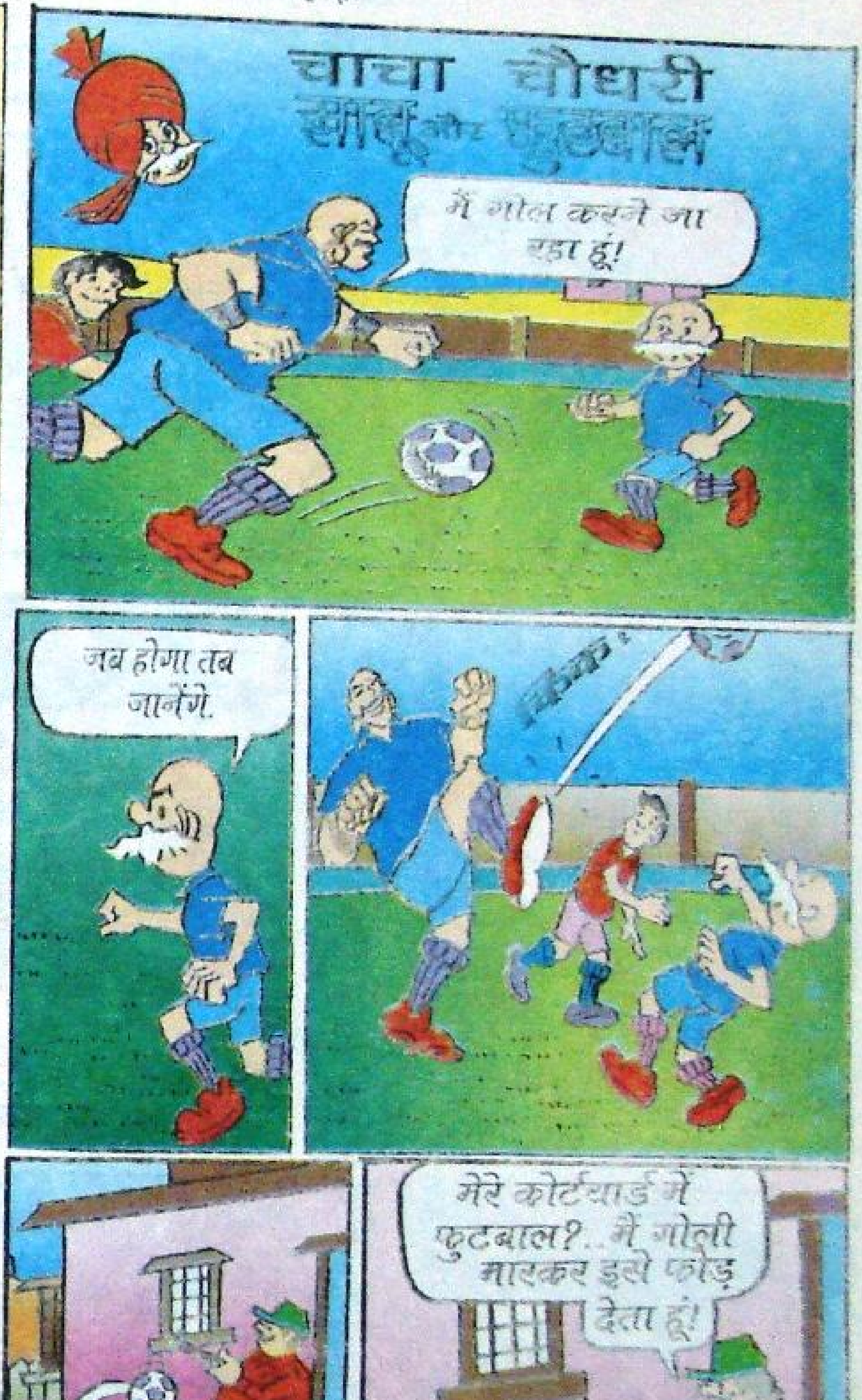

TITLES CHACHA CHAUDHARY AND SABU AND THEIR CHARACTERS ARE COPYRIGHT REGISTERED BY GOVERNMENT OF INDIA FOR THE PROPRIETORS PRAN'S FEATURES, A-14 NARAINA VIHAR, NEW DELHI-110028. REPRODUCTION OF ANY PART OF THIS BOOK IS STRICTLY PROHIBITED. NO ACTUAL PERSON IS NAMED OR DELINEATED IN THIS FICTION. SIMILARITY TO REAL HUMAN BEING OR PLACE IS PURELY COINCIDENTAL.

अगर दोबारा कोई बाल यहां आई तो उसका भी यही हाल होगा।
फिस्स।
मैं खेलने के लिए दूसरी फुटबाल ले आता हूं.
कुछ देर बाद.
साबू! लो, मैं नई बाल ले आया.
वाहह!

उन्होंने दोबारा गुस्ताख़ी की?
धप..
मैं इसमें छेद कर सकता हूं.
ओह हा!
फर्रर्र!
मैंने नई फुटबाल में हवा की जगह पानी भर दिया था!
हा! हा!
आओ, चलें!

भाई धमाकासिंह! चाचा चौधरी ने मेरी खिल्ली उड़ाई!
उस चूहे की यह हिम्मत?
मैं बम मारकर उन दोनों को नरक पहुंचा दूंगा.
तुम दोनों के दिन पूरे हो चुके. मरने के लिए तैयार हो जाओ।

आह! फटने से पहले यह मेरे हाथ आ गया!
वापस जाओ!
बचो!
भागो!
हा! हा!!

शॉटपुट
साबू! तुमने वेट लिफ्टिंग में ओलम्पिक का रिकार्ड तोड़ दिया.
इस से ज्यादा वजन उठाया जा सकता है.
मगर हमारे पास इससे ज्यादा है नहीं?
एक दूसरा तरीका है.

हुर्रे!
क्या मैं एथलीट नहीं बन सकती?
क्यों नहीं?...तुम शॉट पुट फैंकने की प्रेक्टिस करो.
यह मैं कर सकती हूं.
बीनी! तुमने अगर वह दो-चार बार और फैंका तो मकान ढेर हो जाएगा.

तो फिर मैं प्रेक्टिस कहां करूं?
मैदान में चली जाओ.
यह जगह ठीक है.
कहते हैं जॉगिंग सेहत के लिए फायदेमंद है.
जो कुछ जेब में है, निकालो!
सुबह-सवेरे जेब में कौन पैसे डालकर निकलता है?
घड़ी तो है? वही उतारो।

एक-दो- और तीन!
धन्यवाद! तुमने मुझे लुटने से बचा लिया.